आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 02.02.2026 समय 1305

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर 'जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार अभियान की अवधि 20 फरवरी तक बढ़ाई गई।
- चारधाम यात्रा के कपाट बंद होने के बाद अब तक 34 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने शीतकालीन प्रवास स्थलों पर दर्शन किए।
- उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन ने पिथौरागढ़ में बकाया वसूली की कार्रवाई तेज की।
- तीर्थ नगरी हरिद्वार में व्यापक स्वच्छता अभियान लगातार जारी।

जन–जन की सरकार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार अभियान की अवधि को बढ़ा दिया गया है। अब 20 फरवरी तक प्रदेश के सभी जिलों में यह अभियान संचालित किया जाएगा। इससे पहले यह अभियान 31 जनवरी तक निर्धारित था, जिसे जनता की सकारात्मक प्रतिक्रिया और शिविरों में बड़ी संख्या में प्राप्त हो रही शिकायतों व सुझावों के प्रभावी निस्तारण को देखते हुए 20 दिनों के लिए विस्तारित किया गया है। 17 दिसंबर से प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे इन शिविरों के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। राजस्व, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस और नगर निकाय सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण कर जनता को राहत दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि जिन क्षेत्रों में अब तक अभियान के तहत शिविर आयोजित नहीं हो पाए हैं, उन्हें भी विस्तारित अवधि में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, ताकि प्रदेश का कोई भी नागरिक इस जनसेवा अभियान से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता और सरकार के बीच विश्वास का सेतु है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नागरिक की समस्या का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है और इसके लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य किया जा रहा है।

शीतकालीन चारधाम यात्रा

प्रदेश में शीतकालीन यात्रा ने पहाड़ों की पारंपरिक तस्वीर बदल दी है। चारधाम के कपाट बंद होने के बाद जहां पहले पहाड़ों में वीरानी छा जाती थी, वहीं अब शीतकाल में भी यात्रियों की चहल–पहल दिखाई दे रही है। पिछले वर्ष शुरू की गई शीतकालीन यात्रा के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक उत्तराखंड पहुंच रहे हैं। चारधाम से जुड़े शीतकालीन प्रवास

स्थलों– पांडुकेश्वर, ऊखीमठ, मुखवा और खरसाली में देश–विदेश से यात्री पहुंच रहे हैं। इस वर्ष चारधाम यात्रा के कपाट बंद होने के बाद अब तक 34 हजार से अधिक श्रद्धालु इन स्थलों पर दर्शन कर चुके हैं। शीतकालीन यात्रा अभी लगभग ढाई महीने और चलेगी। यह लगातार दूसरा वर्ष है, जब राज्य सरकार द्वारा शीतकालीन यात्रा का संचालन किया जा रहा है। इससे पहले वर्ष 2024–25 में पहली बार आयोजित शीतकालीन यात्रा में 73 हजार से अधिक यात्री उत्तराखंड पहुंचे थे। शीतकालीन यात्रा के दौरान बाबा केदारनाथ के गद्दीस्थल ऊखीमठ में सबसे अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। चारधाम यात्रा प्रबंधन एवं नियंत्रण संगठन के अनुसार अब तक 20 हजार से अधिक यात्रियों ने ऊखीमठ में दर्शन किए हैं। इसके अलावा ज्योर्तिमठ, खरसाली और मुखवा में भी नियमित रूप से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। प्रतिदिन एक से डेढ़ हजार यात्री शीतकालीन प्रवास स्थलों पर पहुंच रहे हैं। शीतकालीन यात्रा के साथ–साथ पर्यटक स्थलों पर भी रौनक बढ़ी है। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि शीतकालीन यात्रा उत्तराखंड में बारहमासी पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और राज्य सरकार इसे आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

पर्यटक

सरोवर नगरी नैनीताल जिले के कैंची धाम, नैना देवी, घोड़ाखाल और प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। कैंची धाम सहित इन बढ़ती यात्राओं से न केवल शहर और जिले की रौनक बढ़ी है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी तेजी आई है। होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी, दुकानदार और स्थानीय रोजगार इस पर्यटन गतिविधि से सीधा लाभ उठा रहे हैं। नैनीताल के जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी ने बताया कि नैनीताल और आसपास के क्षेत्रों में धार्मिक पर्यटन लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि इसे देखते हुए सरकार सुविधाओं के विस्तार और बाइपास मार्गों से आवागमन आसान बनाने पर जोर दे रही है, जिससे यातायात दबाव कम हो और श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन मिल सके।

बिजली बिल बकाया वसूली

पिथौरागढ़ जिले में नगर निगम सहित विभिन्न नगर पालिकाओं और सरकारी विभागों पर बिजली बिल का लगभग पांच करोड़ रुपये का बकाया है। लंबे समय से भुगतान लंबित रहने के चलते उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने अब वसूली की कार्रवाई तेज कर दी है। इसके तहत संबंधित नगर निकायों और सरकारी विभागों को नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग के अधिशासी अभियंता नितिन सिंह गर्खाल ने कहा है कि निर्धारित समय सीमा में बकाया राशि जमा नहीं होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रगति

प्रधानमंत्री के सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन के प्रमुख मंच, प्रगति ने 50वीं बैठक के सफल आयोजन के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2015 में प्रगति की

शुरूआत की थी। प्रगति ने प्रधानमंत्री की सीधी समीक्षा के माध्यम से प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं और जन–शिकायतों की वास्तविक निगरानी तथा समाधान को सक्षम बनाकर शासन व्यवस्था में क्रांति पैदा की है। यह मंच सहकारी संघवाद का एक आदर्श उदाहरण है। देश के सीमावर्ती और हिमालयी राज्यों में विकास की गति को नई दिशा देने में भी प्रगति की भूमिका उल्लेखनीय रही है, जिसमें उत्तराखंड एक प्रमुख उदाहरण है।

उत्तराखंड एक रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हिमालयी राज्य है और यहां सड़क, बिजली, दूरसंचार और तीर्थयात्रा से जुड़ी कई राष्ट्रीय महत्व की अहम परियोजनाएं चल रही हैं। वर्तमान में प्रदेश में कुल 42 परियोजनाएं प्रगति मंच के तहत निगरानी में हैं। इनमें से 15 बड़ी परियोजनाएं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रगति के माध्यम से समीक्षा की जा रही हैं जिनकी लागत एक लाख 22 हजार करोड़ रुपये है। इनमें, चारधाम सड़क परियोजना, ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन, दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस वे और बड़ी जलविद्युत परियोजनाएं शामिल हैं। समीक्षा बैठकों के दौरान, इन परियोजनाओं से जुड़ी, कुल 69 समस्याएं सामने आई थीं, जिनमें से 67 का समाधान कर लिया गया है। प्रगति तंत्र ने भूमि अधिग्रहण, वन स्वीकृति और कानून–व्यवस्था से संबंधित अड़चनों को दूर कर, परियोजनाओं की गति को तेज करने में अहम भूमिका निभाई है। समस्याओं का समय पर समाधान होने से, कनेक्टिविटी और बिजली परियोजनाओं से संबंधित काम में तेजी आई है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं।

सफाई अभियान

तीर्थ नगरी हरिद्वार को स्वच्छ, सुंदर और मॉडल जिला बनाने के उद्देश्य से पिछले तीन महीनों से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों और कस्बों तक व्यापक सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा के नेतृत्व में बहादराबाद क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों, पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों व कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। इस दौरान सार्वजनिक स्थलों, सड़कों, नालियों और आसपास के क्षेत्रों में साफ–सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि स्वच्छता अभियान केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सतत प्रक्रिया है, जिसमें जनसहभागिता बहुत जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई।